"विद्यालय पत्रिका 2024-25"

"जयतु भारतम्"

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 जी.सी.एफ. जबलपुर

Editor

Mrs. Nishi Sharma

PGT (English)

Co- Editor

Mrs. Sunita Lohra

PGT (HINDI)

Technical Incharges

Ms. Mala Shrivastava

PGT (Comp. Science)

MEMBERS:

1. MR. Y.K. TIRKEY , PGT (ENGLISH)
2. Mrs. ROSE B. TOPPO, TGT (ENGLISH)
3. Ms. SHILPI SONI ,TGT (ENGLISH)
4. MR. TARUN MEHRA ,TGT(HINDI)
5. Ms. KIRAN KUMARI, TGT(SKT)
6. Mr. AMIT THAKUR (TGT-LIB)

STAFF LIST 2024-25

क्रमांक	नाम	पद	विषय	क्रमांक	नाम	पद	विषय
1	रजनीश कुमार सिंघई	प्रधानाचार्य		50	मोनिका	प्राथमिक शिक्षक	--
2	सत्येन्द्र कुमार वर्मा	वाइस प्रिंसिपल		51	रश्मि पांडे	प्राथमिक शिक्षक	--
3	अमर नारायण शुक्ला	स्नातकोत्तर शिक्षक	अर्थशास्त्र	52	तृप्ति चंढा	प्राथमिक शिक्षक	--
4	अपूर्व मित्र मजूमदार	स्नातकोत्तर शिक्षक	गणित	53	चेतना श्रीवास्तव	प्राथमिक शिक्षक	--
5	माला श्रीवास्तव	स्नातकोत्तर शिक्षक	कंप्यूटर विज्ञान	54	आशा कुमारी	प्राथमिक शिक्षक	--
6	युगल कुमार तिर्की	स्नातकोत्तर शिक्षक	अंग्रेज़ी	55	रेनू यादव	प्राथमिक शिक्षक	--
7	एंकज पिपलोदिया	स्नातकोत्तर शिक्षक	व्यापार	56	नवीन कुमार	प्राथमिक शिक्षक	--
8	वैभव जैन	स्नातकोत्तर शिक्षक	कंप्यूटर विज्ञान	57	अभितेष जागिड़	प्राथमिक शिक्षक	--
9	शेष नारायण पटले	स्नातकोत्तर शिक्षक	भौतिक विज्ञान	58	अपूर्व राज सिंह	प्राथमिक शिक्षक	--
10	सुनीता लोहरा	स्नातकोत्तर शिक्षक	हिन्दी	59	शिवली सक्सेना	प्राथमिक शिक्षक	--
11	संतोष सिंह ठाकुर	स्नातकोत्तर शिक्षक	व्यापार	60	परितोष सिंह	प्राथमिक शिक्षक	--
12	राकेश कुमार पाटकर	स्नातकोत्तर शिक्षक	गणित	61	अमर स्वामी	प्राथमिक शिक्षक	--
13	नलिन कुमार	स्नातकोत्तर शिक्षक	अर्थशास्त्र	62	देवाश देवेढी	प्राथमिक शिक्षक	--
14	आनंद स्वरूप	स्नातकोत्तर शिक्षक	हिन्दी	63	अंबिका गौतम	प्राथमिक शिक्षक	--
15	जुगल किशोर तिवारी	स्नातकोत्तर शिक्षक	भौतिक विज्ञान	64	शिवानी	प्राथमिक शिक्षक	--
16	विनोद कुमार मिश्रा	स्नातकोत्तर शिक्षक	बायोलॉजी	65	श्वेता मीना	प्राथमिक शिक्षक	--
17	अंकित गुप्ता	स्नातकोत्तर शिक्षक	रसायन विज्ञान	66	कमलेश	प्राथमिक शिक्षक	--
18	सुषमा त्रिपाठी	स्नातकोत्तर शिक्षक	इतिहास	67	सुबोध कुमार साह	ए एस ओ	--
19	निशि शर्मा	स्नातकोत्तर शिक्षक	अंग्रेज़ी	68	इरफ़ान हुसैन	ए एस ओ	--
20	अंजना मिश्रा	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	सामाजिक विज्ञान	69	अंकुर रंजन	एस एस ए	--
21	मोना एस कोहली	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	अंग्रेज़ी	70	अब्दुल सलाम आ	जे एस ए	--
22	आशीष भारद्वाज	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	अंग्रेज़ी	71	सुरेंद्र ठाकुर	लैब अटेंडेट	--
23	रोज बसंती टोप्पो	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	अंग्रेज़ी	72	राजेश कुमार	उप कर्मचारी	--
25	दीप्ति भारद्वाज	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	गणित	73	प्रेम सिंह	उप कर्मचारी	--
26	-ब्रजेश कुमार विश्वकर्मा	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	हिन्दी	74	खुर्रम युसुफ	चिकित्सक	--
27	अर्चना सिंह चौहान	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	विज्ञान	75	सविता विश्वकर्मा	देखभाल करना	--
28	ज्योति जैन	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	गणित	76	दीपक मेहता	खेल का कोच	--
29	सुनीता गुप्ता	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	विज्ञान	77	एनी रोज़	योग प्रशिक्षक	--
30	ओंकार प्रसाद साहू	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	हिन्दी	78	आशा गुप्ता	काउंसलर	--
31	विवेक तिवारी	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	गणित	79	रेखा बर्मन	विशेष शिक्षक	--
32	अभिषेक कुमावत	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	संस्कृत	80	ऋतु जांगड़े	नृत्य कोच	--
33	तरूण मेहरा	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	हिन्दी	81	प्राची तिवारी	स्नातकोत्तर शिक्षक	भूगोल
34	एस विशाल रमेश	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	सामाजिक विज्ञान	82	ममता कुँवर	स्नातकोत्तर शिक्षक	रसायन विज्ञान
35	वर्षा बारडोलिया	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	गणित	83	राजेश गुप्ता	कंप्यूटर प्रशिक्षक	--
36	सोनिया परमार	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	विज्ञान	84	अतुल कुमार तिवा	कंप्यूटर प्रशिक्षक	--
37	शिल्पी सोनी	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	अंग्रेज़ी	85	रोशनी नायक	बाल वाटिका शिक्ष	--
38	ऋतु उपाध्याय	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	सामाजिक विज्ञान	86	रेखा विश्वकर्मा	बाल वाटिका शिक्ष	--
39	किरण कुमारी	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	संस्कृत	87	प्रिया पोपट	बाल वाटिका शिक्ष	--
40	पूनम पांडे	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	कला शिक्षा	88	अनुपमा चौरे	बाल वाटिका शिक्ष	--
41	हेमलता श्रीवास	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	पी एच ई	89	नेहा परिहार	बाल वाटिका शिक्ष	--
42	सचिन कुमार तिवारी	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	कार्य अनुभव	90	निर्मला वर्मा	बाल वाटिका शिक्ष	--
43	अमित ठाकुर	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	लाइब्रेरियन	91	माधुरी मिश्रा	प्राथमिक शिक्षक	--
44	पीयुष कुमार पांडे	हेड मास्टर	--	92	पूजा यादव	प्राथमिक शिक्षक	--
45	रीता बाजपेयी	प्राथमिक शिक्षक	संगीत	93	गरिमा मिश्रा	प्राथमिक शिक्षक	--
46	विनीता शर्मा	प्राथमिक शिक्षक	--	94	सचिन विश्वकर्मा	प्राथमिक शिक्षक	--
47	हेमलता मजूमदार	प्राथमिक शिक्षक	--				
48	नेहा गोयल	प्राथमिक शिक्षक	--				
49	सुषमा चौधरी	प्राथमिक शिक्षक	--				

हमारे संरक्षक / OUR PATRON

Mr. Rajeev Gupta, IOFS
Executive Director ,GCF
& Chairman (VMC)

Shri Digg Raj Meena
Deputy Commissioner
KVS RO, JABALPUR

Mr. Sanjay Shrivastava,
General Manager (GCF)
& Nominee Chairman (VMC)

Shri Hira Lal
Assistant Commissioner
KVS RO, JABALPUR

Smt. Kiran Sharma
Assistant Commissioner
KVS RO, JABALPUR

Dr. Saroj Dabas
Assistant Commissioner
KVS RO, JABALPUR

राजीव गुप्ता, भा.आ.नि.से.
प्रभारी अधिकारी
Rajeev Gupta, IOFS
Officer In-Charge

भारत सरकार का उपक्रम, रक्षा मंत्रालय
एडवान्स्ड वेपन एण्ड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड की ईकाई
तोपगाड़ी निर्माणी, जबलपुर
Govt. of India Enterprises, Ministry of Defence
Unit of Advanced Weapons & Equipment India Ltd.
GUN CARRIAGE FACTORY
Jabalpur – 482 011

No. GCF/OIC/DO/MISC/03/2024

Dated 13.12.2024

संदेश

मुझे गर्व और हर्ष का अनुभव हो रहा है कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1, जी.सी.एफ., जबलपुर अपनी वार्षिक पत्रिका विद्यालया पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। यह पत्रिका न केवल विद्यालय की गतिविधियों का दर्पण है, बल्कि छात्रों की रचनात्मकता और शिक्षकों के प्रेरणादायक प्रयासों का परिचायक भी है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों और व्यक्तित्व विकास में सहायक होना भी है। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका छात्रों को अपनी रचनात्मक सोच और साहित्यिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगी।

मैं विद्यालय परिवार को उनके समर्पण और अनुकरणीय कार्यों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। विद्यालय के सभी विद्यार्थी जीवन में नई ऊंचाइयों को छुएं और अपने परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करें, यही मेरी कामना है।

धन्यवाद।

राजीव गुप्ता
13/12/24

पंजीकृत कार्यालय : तोपगाड़ी निर्माणी, जबलपुर – 482 011 (म.प्र.)
REGD OFFICE : GUN CARRIAGE FACTORY, JABALPUR - 482 011 (M.P.)
दूरभाष/TELE : 0761-2330016-19 फैक्स/FAX : 0761-2331495 ई-मेल/email : gcf@ord.gov.in

संजय श्रीवास्तव, भा.आ.नि.से
General Manager

Sanjay Shrivastava, IOFS
General Manager

भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय
एडवान्स्ड वेपन एण्ड इंडिया लिमिटेड की ईकाई
तोपगाड़ी निर्माणी, जबलपुर

Govt. of India Enterprises, Ministry of Defence
Unit of Advanced Weapons & Equipment India Ltd.
Gun Carriage Factory, Jabalpur-482 011

DO L.No. GCF/GM/Misc/2024 Date: 16/12/2024

Message

It is a matter of great pride and joy to see the publication of the annual Vidyalaya Patrika of PM SHRI Kendriya Vidyalaya No. 1, GCF, Jabalpur. This magazine beautifully reflects the creativity, talent, and achievements of the students and teachers.

Education is not confined to the boundaries of textbooks; it is about fostering holistic development, inculcating values, and building a strong foundation for life. The Vidyalaya Patrika reflects the vibrant spirit of the institution and highlights the diverse talents and academic excellence of its students.

I congratulate the entire school team for their dedication and extend my best wishes for the continued success of all students.

Thanks

Shrivastava

(Sanjay Shrivastava)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन / KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
जबलपुर संभाग, जीसीएफ एस्टेट / JABALPUR REGION, G.C.F. Estate
साईंस कॉलेज के पीछे / Behind Science College
जबलपुर – ४८२०११ (म०प्र०)/ Jabalpur 482011 (M.P.)
Email : ro-jabalpur@kvs.gov.in
DC/AC: 0761-2678381/ 07612678390 web.: rojabalpur.kvs.gov.in

संदेश

प्रिय प्राचार्य , विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकगण

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्र 1, जी.सी.एफ., जबलपुर की वार्षिक विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह पत्रिका न केवल विद्यालय की शैक्षिक उपलब्धियों और सांस्कृतिक गतिविधियों का दर्पण है, बल्कि विद्यार्थियों की रचनात्मकता और विचारों को उजागर करने का एक उत्कृष्ट मंच भी है।

शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति तक सीमित नहीं है; यह व्यक्ति के नैतिक, मानसिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विद्यालय पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थी अपने विचारों, कला और सृजनात्मक लेखन को व्यक्त कर सकते हैं, जो उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होगा।

मैं प्राचार्य, शिक्षकों और सभी विद्यार्थियों को उनके अथक प्रयासों और उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देता हूं। मेरी शुभकामनाएं हैं कि यह पत्रिका विद्यालय की उपलब्धियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाए और विद्यार्थियों को नई प्रेरणा प्रदान करे।

दिग्गराज मीना

श्री दिग्ग राज मीणा
उपायुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
जबलपुर संभाग

केन्द्रीय विद्यालय संगठन / KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
जबलपुर संभाग, जीसीएफ एस्टेट / JABALPUR REGION, G.C.F. Estate
साईंस कॉलेज के पीछे / Behind Science College
जबलपुर – ४८२०११ (म०प्र०)/ Jabalpur 482011 (M.P.)
Email : ro-jabalpur@kvs.gov.in
DC/AC: 0761-2678381/ 07612678390 web.: rojabalpur.kvs.gov.in

MESSAGE

It gives me immense pleasure to extend my warm greetings and heartfelt congratulations to the entire Vidyalaya family on the publication of the Vidyalaya Patrika. This magazine is a reflection of the creativity, talent, and achievements of the students and staff of PM SHRI Kendriya Vidyalaya No. 1, GCF Jabalpur.

A school is not just a place of learning but also a nurturing ground for holistic development. The Vidyalaya Patrika serves as a platform for students to express their ideas, creativity, and innovative spirit, showcasing the diversity of their thoughts and aspirations.

As we move forward in an era of endless possibilities, I urge the students to embrace the values of curiosity, perseverance, and excellence. Let this Patrika be a testament to the collaborative spirit and vibrant culture of this esteemed institution.

My best wishes to all contributors and readers. May the Vidyalaya Patrika continue to inspire and illuminate the path of knowledge and creativity for years to come.

SHRI HEERA LAL
ASSISSTANT COMMISSIONER
JABALPUR REGION

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकगण,

नई शिक्षा निति का उद्देश्य विद्यार्थियों में मौलिक एवं सर्जनात्मक लेखन का विकास करना एवं वैचारिक सोच का सृजन करना है विद्यालय पत्रिका इस दिशा में मील का पत्थर साबित होती है |

यह हमारे विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है कि हम वार्षिक विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन कर रहे हैं। यह पत्रिका न केवल विद्यार्थियों की रचनात्मकता और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का माध्यम है, बल्कि विद्यालय के अद्वितीय प्रयासों और उपलब्धियों को भी उजागर करती है।

हमारे विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक सभी ने मिलकर इस पत्रिका को एक अद्भुत स्वरूप प्रदान किया है। यह उनकी मेहनत, लगन और सहयोग का प्रतीक है। मैं अपने सभी विद्यार्थियों से आग्रह करता हूँ कि वे अपनी क्षमताओं को निखारने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सतत प्रयासरत रहें।

शिक्षकगणों का योगदान हमेशा हमारे विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में एक प्रेरणास्रोत बना रहेगा। इसी प्रकार अभिभावकों का विश्वास और सहयोग विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में हमारी ताकत है।

अत: विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन के अवसर पर मैं सभी शिक्षकों , अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ एवं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ |

आशा करता हूँ कि यह पत्रिका सभी पाठकों को प्रेरणा, आनंद और गर्व का अनुभव कराएगी।

शुभकामनाओं सहित,

श्री रजनीश कुमार सिंघई
प्राचार्य

FROM THE PEN OF EDITOR

With immense pride and joy, we present the latest edition of the *Vidyalaya Patrika* of PM SHRI Kendriya Vidyalaya No. 1, GCF, Jabalpur. This patrika is a vibrant reflection of the creativity, talent, and hard work of our students and teachers, showcasing their dedication to academic excellence and holistic development.

Our school has always stood as a beacon of knowledge, discipline, and innovation. Through this patrika, we aim to capture the essence of our institution's ethos and achievements. Each page tells a story of perseverance, creativity, and the relentless pursuit of excellence by our students and staff.

The *Vidyalaya Patrika* is more than just a compilation of articles, poems, and art; it is a celebration of ideas, imagination, and learning. It serves as a platform for our students to express their thoughts, dreams, and aspirations while reflecting on their journey of growth.

We extend our heartfelt gratitude to the Principal, staff members, students, and contributors who have put in tireless efforts to make this edition a reality. Special thanks to the editorial team for their dedication and creativity.

As you flip through these pages, we hope you will be inspired by the talent and potential of our young minds. May this patrika serve as a source of motivation for all and a reminder of the boundless possibilities that lie ahead.

Happy reading!

Smt. Nishi Sharma

PGT(English)

AUTUMN'S BEAUTY

Autumn's beauty comes and meet,
Golden leaves, A crisp, cool breeze,
A painted canvas, nature's ease.
Sunlight dances, shadow creep,
Autumn's beauty, a silent sleep
And now you gotta love this week!

By- Advita Kori
Class-6 C

सुभाषितम्

1.विद्या दीपः प्रकाशाय, तमसो हन्ति चेतनः।
जीवनस्य मार्गदर्शी, विद्या सर्वं प्रकाश्यते॥

भावार्थ:

विद्या एक दीपक के समान है, जो अज्ञान के अंधकार को नष्ट कर देती है। यह जीवन का मार्गदर्शन करती है और सब कुछ प्रकाशित करती है।

2.विद्या जनानां भूषणं, नित्यं ज्ञानप्रदायिनी।
संसारसागरं तर्तुं, विद्या नौका सुखावहा॥

भावार्थ:

विद्या मनुष्यों का सबसे बड़ा आभूषण है, जो सदा ज्ञान देती है। संसार रूपी सागर को पार करने के लिए विद्या एक सुखद नौका है।

3.विद्या ददाति स्वतंत्रं, बन्धनं हन्ति चेतनाम्।
सत्यमार्गे प्रेरयति, विद्या जीवनसंजीवनी॥

भावार्थ:

विद्या स्वतंत्रता देती है और अज्ञान के बंधनों को तोड़ती है। यह सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है और जीवन के लिए संजीवनी का कार्य करती है।

4.विद्या विना जीवनं, वृक्षस्य फलवर्जितम्।
विद्या सदा जीवनाय, नाशं हन्ति सतां सदा॥

भावार्थ:

विद्या के बिना जीवन उस वृक्ष के समान है, जिसमें फल नहीं होते। विद्या सदा जीवन प्रदान करती है और सच्चे मनुष्यों के लिए सभी कष्टों का नाश करती है।

"परिश्रमोऽस्ति शक्तिः, यः साधयति सर्वं, यत्र तत्र दीपमणिं न प्रकाशयेत्।
यदा कर्मणि संलग्नो मानवः, त्यक्त्वा आलस्यं, श्रमेण अचिरात् सप्नान सत्यं करोति।"

अन्वय:

परिश्रमः शक्तिः अस्ति, यः शक्तिं सर्वं साधयति, यत्र तत्र दीपमणिं न प्रकाशयेत्। यदा मानवः कर्मणि संलग्नः आलस्यं त्यक्त्वा, श्रमेण अचिरात् सप्नान् सत्यं करोति।

भावार्थ:

"परिश्रम ही वह शक्ति है, जो हर कार्य को सफल बनाती है, जहाँ कोई भी दीपक उजाला नहीं कर सकता, वहां भी परिश्रम अपना प्रकाश दिखाता है। जब कोई व्यक्ति अपने कार्य में संलग्न होकर आलस्य को त्याग देता है, तो अपनी मेहनत से वह जल्द ही अपने सपनों को वास्तविक्ता में बदलता है।"

आनंदी गुप्ता
नवमी द

BLACK HOLE

Black holes are among the most mysterious cosmic objects, much studied but not fully understood. These objects aren't really holes. They're huge concentrations of matter packed into very tiny spaces. A black hole is so dense that gravity just beneath its surface, the event horizon, is strong enough that nothing - not even light-can escape. The event horizon isn't a surface like Earth's or even the Sun's. It's a boundary that contains all the matter that makes up the black hole.

There is much we don't know about black holes, like what matter looks like inside their event horizons. However, there is a lot that scientists do know about black holes.

Let's discuss some Interesting facts about black holes:

1. **CLOSEST BLACK HOLE -**
   The nearest known black hole, called Gaia BH1, is about 1,500 light-years away.
2. **BIGGEST BLACK HOLE –**
   The most massive black hole observed, TON 618, tips the scales at 66 billion times the Sun's mass.
3. **STAR BOOMS –**
   One type of black hole is born when massive stars run out of fuel and explode in supernovae.

Devansh Agrawal
class- 9th 'B'

सुश्री शिल्पी
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका

"आओ, नई उड़ान भरे..."

हिंदी में से ई हटाओ ,प्यारा हिंद बनता है
इस हिंद का विस्तार करो तो, हिंदुस्तान बनता है
हिंदुस्तान का भी अर्थ जानो तो.....
नित नए आविष्कार वाला स्थान बनता है..
इसी देश के वे फूल महान जिसने,
किया नई शिक्षा नीति का निर्माण
गढ़ने को है तैयार एक नया समाज....

चलो नए समाज में नई उड़ान भरे ,
नए स्वर्णिम इतिहास का आगाज करें ,
21वीं सदी के सारे गुण अख्तियार करें,
जिसे नहीं भी आती, बेसिक कैलकुलेशन
उसके सपने को, फ्.एल.एन.से साकार करें
चलो एक नई उड़ान भरे ....

व्यवहार सिखाए ऐसा विज्ञान पढ़े

हैंड्स ऑन क्राफ्ट से कुशलता पार करे
जहां कला,विज्ञान और वाणिज्य भी
कदम से कदम मिलाकर हैं चलते
बच्चे वहां ज्ञानी ही नही, रचनात्मक भी हैं बनते
आओ, ऐसी अद्भुत स्ट्रीम का प्रसार करे
चलो, एक नई उड़ान भरे....

जहां हर शिक्षक भी बनता लर्नर है
हर बच्चा बनता क्रिएटिव ब्लूमर हैं
अब बच्चा-बच्चा भी क्रिटिकल सोचेगा
नई -नई चीजें प्रतिदिन खोजेगा ...
खेल खेल से दीक्षा की शुरुआत करे
आओ जिज्ञासा का भी निर्माण करे
चलो एक नई उड़ान भरे....

जहां अब बात ,अटकेगी भाषा की
वहां मातृभाषा बनेगी,सीढ़ी आशा की
जब बढ़ेगा सभी, भाषाओं का भाई- चारा
नहीं होगा हमारा, अपनी संस्कृति से किनारा
विश्व धरोहर पर, हम भी चमकेंगे
जब विदेशी भाषाओं, को हम भी सीखेंगे
आओ ऐसी बहुभाषिवादिता का प्रचार करे
चलो, एक नई उड़ान भरे..

शिक्षा की दुनिया में ,फैलेगा नया विकास
आईसीटी से जब करेंगे, बच्चे खूब प्रयास
अब डिजिटल साक्षरता, बनेगी नई भाषा
जन-जन के मन में होगी ,सीखने की अभिलाषा
गांव हो या शहर ,ज्ञान की तरफ मोड़ेगा
दुनिया को दुनियां से, ये पुल जोड़ेगा
आओ, ऐसे डिजिटल ब्रिज का सृजन करे
चलो, एक नई उड़ान भरे.....

नालंदा भी चमकेगा, तक्षशिला भी महकेगा
संस्कृति और नवीनता का, दौर फिर से लोटेगा
अतीत की सीख से ही ,भविष्य का उद्भव संभव होगा
जो जोड़ेगी सबको ऐसी, एकता का प्रवेश अब होगा
आओ, ऐसी नई शिक्षा नीति का अभिषेक करे
चलो, एक नई उड़ान भरे.....2

Have you ever wondered why the sky is blue?

The answer lies in how sunlight interacts with Earth's atmosphere. Sunlight may look white, but it's actually a mix of all the colours of the rainbow—red, orange, yellow, green, blue, indigo, and violet. These colours are different types of electromagnetic waves, with each colour having a different wavelength. Red light has longer waves, while blue and violet have shorter waves.

When sunlight enters Earth's atmosphere,

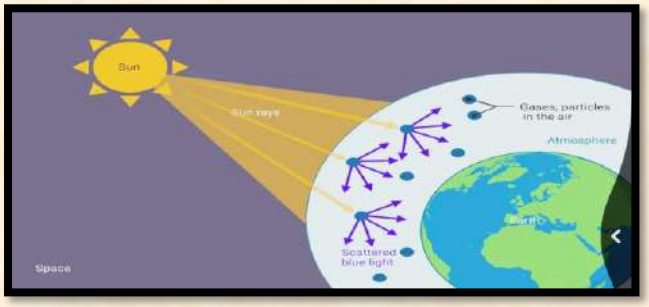

it first passes through the ozone layer. This layer acts like a shield and absorbs much of the harmful ultraviolet (UV) radiation from the sun, protecting us from its effects. But the ozone layer also absorbs some of the short-wavelength colours, especially ultraviolet light.

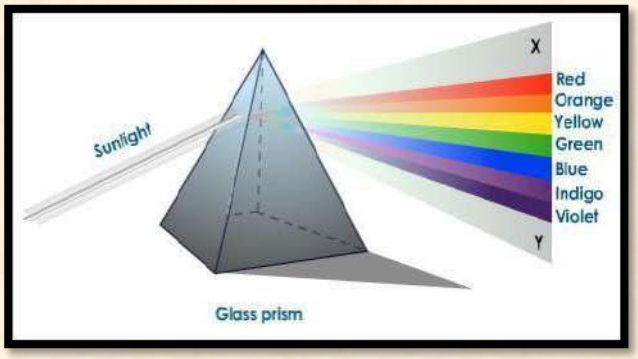

After the sunlight passes through the ozone, it encounters tiny molecules of gas in the air, like nitrogen and oxygen. These molecules act like tiny bumpers that scatter the sunlight in all directions. The shorter-wavelength colours like blue and violet, scatter much more easily than the longer wavelengths, like red and yellow. Imagine sunlight passing through a prism—just like a prism separates light, the gases in the atmosphere scatter the blue and violet light more widely across the sky.

Although violet light scatters more than blue, our eyes are more sensitive to blue light, so the sky appears blue to us. This scattering process is known as **Rayleigh scattering,** named after the scientist who first studied it. Rayleigh scattering explains why we see a blue sky during the day, especially when the sun is high in the sky.

Eco Club: EARTH DAY EVERY DAY

The Eco Club at PM SHRI Kendriya Vidyalaya - 1, GCF, Jabalpur is committed to fostering environmental awareness and promoting sustainable practices among students. Under the able in-charge ship of Ms. Ritu Upadhyay, Mrs. Archana Chauhan and Ms. Shweta Meena, the club actively engages students in a variety of eco-friendly initiatives, integrating education with action.

One of the noteworthy campaigns organized this year was 'Ek Ped Maa Ke Naam', where mothers and children were gifted plants to encourage the spirit of green parenting and environmental stewardship. The initiative aimed to strengthen the bond between families and nature while emphasizing the significance of tree planting for ecological balance.

The club also promotes active participation in hands-on activities such as plantation drives, waste management projects, and creating art from recycled materials. Regular awareness sessions, like those on wildlife conservation and energy saving, ensure students become responsible stewards of the environment.

Through these efforts, the Eco Club not only instils a sense of responsibility towards nature but also nurtures leadership skills and teamwork among students. Together, we strive to make our campus a hub of environmental consciousness and contribute to a sustainable future.

"Every small step count when it comes to saving the planet!"

Name – Shatakshi Sooryawanshi
Class – 9 "B"

Vidyanjali: Bridging Expertise and Education

At PM SHRI Kendriya Vidyalaya - 1, GCF, Jabalpur, the Vidyanjali initiative has emerged as a cornerstone for enriching students' educational journey by connecting them with experts from various fields. This program, under the umbrella of the National Education Policy 2020, invites skilled professionals and volunteers to share their knowledge and guide students in academics, career choices, and life skills.

As part of this initiative, the school has successfully organized multiple sessions with distinguished professionals. On 25th July 2024, a career counselling session for Class 12 commerce and arts students focused on entrepreneurship and startups, featuring experts from the Jabalpur Incubation Centre. Similarly, on 9th September 2024, a session by Dr. Sapna Malhotra and CS Priyanka Das from the Institute of Company Secretaries of India enlightened commerce students on career prospects in company secretaries.

Such interactions not only expose students to real-world insights but also inspire them to pursue innovative paths. Vidyanjali emphasizes hands-on learning, fostering critical thinking and problem-solving skills among students.

This initiative exemplifies the collaborative effort of educators, professionals, and the community in preparing students to face future challenges with confidence and competence. Vidyanjali truly embodies the spirit of "Education for All."

On the dias

(From Left to Right) Principal, Rajnish Singhai, Dstrict judge, Awadhesh Shrivastava, LAO BD Dixit, Vice Principal S Verma

Session taken by Gurav Sankhya , Jabalpur Incubation Centre

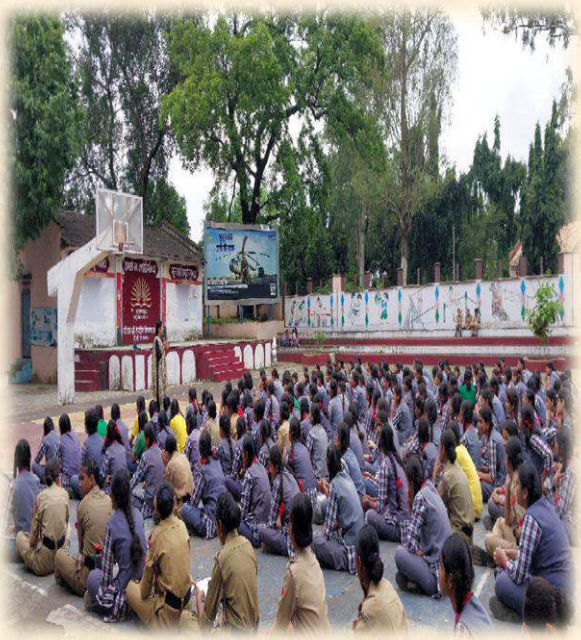

Session for girls, Under UMAANG clinic, by Maya Singh

कलयुग

न कृष्ण यहाँ न राम यहाँ
न द्वापर का घनश्याम यहाँ
सब कुछ पाके जो खोया है
उसको यहाँ पिरोया है
ब्रम्हा का श्रृंगार जहां
कलयुग का है अब राज यहाँ
प्रीत जहाँ की न्यारी थी ,
जहाँ श्याम की लीला प्यारी थी।
स्त्री का श्रृंगार मेंहदी बाली थी ,
पर इस युग में इन सब की जगह खाली थी।
राम नाम के वीर जहाँ ,
कलयुग की अब यह रीत कहाँ ?
लोगों में झगड़ा, पाप यहाँ,
दिखता हमको बस नाश यहाँ ।
जब युद्ध हुआ था कुरुक्षेत्र में
धर्म की लाज बचाने को
अपना स्वयं हक पाने को ,
याद किया था उसको सबने ।
श्री राम ने जब रावण को मारा,
सबने घर में किया उजाला ।
पर अब विश्व युद्ध होता है,
सबका जहां सब कुछ खोता है।
खुश ना कोई रह पाएगा,
जब अपना स्वार्थ दिखाएगा,
मुरली जिसकी थी जान जहां
इस युग में अब वो मान कहाँ ?
हे अच्युत आएँ ,
और सबको राह दिखाएँ ।

हेतवी विश्वकर्मा
दसवीं ' द '

How can you Overcome Fear?

Overcoming fear is a multifaceted proce ss that requires both deep understandin g and proactive action. The first crucial s tep in this journey is identifying what sp ecifically triggers the fear within you. It i s essential to pinpoint the source of the anxiety as this awareness will empower you to confront it gradually and systema tically. For instance if an individual harb ors a fear of public speaking they might begin by practicing their speech in front of a mirror allowing them to observe thei r body language and tone. Following this they can progress to speaking in front o f a small supportive group of friends wh o can provide constructive feedback. Gr adually increasing the size of the audien ce from a few friends to larger gathering s can significantly help in building confi dence and diminishing the feelings of ap prehension.

Another highly effective strategy for ove rcoming fear involves the power of posit ive thinking and visualization. Instead of fixating on the potential failures or what could go wrong try to visualize a succes sful outcome vividly. This mental techni que can profoundly shift your mindset h elping to reduce anxiety and foster a sen se of optimism. Additionally incorporatin g relaxation techniques into your routine such as deep breathing exercises or me ditation can greatly assist in calming bot h the mind and body. By taking these th oughtful and deliberate steps you can fa ce your fears more boldly gradually recl aiming control over them and paving the way for personal growth and empowerm ent in various aspects of your life.

~ SRESHTI GUPTA 8 'A'

RIDDLES

1. I have keys but no locks, I have a space but no room. What am I?

A keyboard!

2. I'm full of knowledge but can't speak. What am I?

A book!

3. I can fly without wings, I can cry without eyes. What am I?

A cloud!

4. I go up but never come down. What am I?

Your age!

5. I have a face but no mouth, hands but no fingers. What am I?

A clock!

6. I'm found in a classroom but can't teach. What am I?

A blackboard!

7. The more you take from me, the bigger I get. What am I?

A hole!

-BY KUMUD KORI
Class-6'C'

THE GAME OF LIFE

The game of life is like a dangerous ride,
with pleasure and full of surprise.
To engross in the game of life,
You must have wisdom and progressive vibes.

You are alone *in this game,*
So play it wisely and prevail
There are so many phases in this game,
But each and every phase teaches you
a lesson to step up the game.

The game of life doesn't terminate,
It is certain to play this game
Because it is great.

- ADITI VERMA
Class – VI, Sec – 'C'

प्रकृति (कविता)

प्रकृति की पुकार

मैं प्रकृति हूँ, तुम्हारी माँ समान,
हरियाली, नदियाँ, और नीला आसमान।
तुम्हें प्यार दिया, जीवन सँवारा,
फिर क्यों करते हो मुझसे किनारा?

पहले तुम मेरी गोद में खेलते थे,
नदियों का पानी प्यार से पीते थे।
फूलों की खुशबू से मन बहलाते,
पेड़ों की छाँव में सुकून पाते।

पर अब तुमने बदल दिया सब कुछ,
कटते हैं पेड़, सूखते हैं झरने हर क्षण।
नदियाँ गंदी, आसमान काला,
मशीनों का शोर और धुआँ भारी-भला।

क्या मैंने तुम्हें कुछ कमी दी है?
सूरज की रोशनी, बारिश की बूँदें दी हैं।
फिर क्यों मुझे दर्द दे रहे हो तुम?
मेरे आँचल को क्यों कर रहे हो गुम?

अब भी समय है, मेरी बात सुन लो,
मुझे सँवारो, अपना दिल बदल लो।
अगर मैं न रहूँ, तो तुम भी न रहोगे,
अपने हाथों से जीवन क्यों खोओगे?

मैं प्रकृति हूँ, बस इतना चाहती हूँ,
थोड़ा प्यार, थोड़ा सम्मान माँगती हूँ।
आओ मिलकर सब कुछ बचाएँ,
मुझे फिर से हरियाली में लाएँ।

(आनंदी गुप्ता, कक्षा - 9 वीं ' द ')

मनुष्य का संघर्ष

यह तो छोटी सी एक उड़ान है,
चीरना तो आसमान है,
कर्म के आधार पर जीतना संसार है।
तू धर्म के साथ है, धर्म तेरी ढाल है,
यह कुरुक्षेत्र का मैदान है,
जीना मरना तेरे करम की आधार है।

यदा यदा ही धर्मस्य कहने वाला कृष्ण तेरे साथ है इससे बड़ी क्या बात है।

चाहे कलयुग हो या सतयुग हो,

दुआ पर हो या त्रेता हो,

हर एक के जीवन में संघर्ष आता है जब वह आता है नई चुनौती भी लाता है।

कर्म के प्रति कितना कर्मठ है तु आने वाली चुनौतियों के प्रति कितना तत्पर है तू ,

यह तो चुनौती खुद बताएगी तेरे जीवन का मतलब समझाइए।

वह जीवनी कैसा जिसमें संघर्ष ना हो,
वह मनुष्य कहता है जिसमें धैर्य न हो,
ज्ञान वो रथ है, कर्म वो धनुष है, धैर्य वो बाण है, लक्ष्य भेद ने एक मनुष्य काम है।
कभी भी अपनी शक्ति को मत आंकना,
क्योंकि समय की कोई परिभाषा नहीं,
मनुष्य की कोई सीमा नहीं।
वह मनुष्य है जो अपनी उंगलियों में सुदर्शन चक्र घुमाता आता है, वह मनुष्य ही है जो धनुष उठा तो अंधकार को मिटाता है।

क्योंकि जरूरी नहीं सवेरा सिर्फ चिरागों से ही हो, सवेरा ज्ञान के उस भंडार से भी हो सकता है जो मनुष्य अपने जीवन के हर क्षण में पाता है।

अंत में मैं कहना चाहता हूं कि, जीवन है तो संघर्ष होगा अगर संघर्ष नहीं होगा तो मृत्यु का संकल्प होगा, क्योंकि यह विश्व नहीं

कुरुक्षेत्र का मैदान है, जीना मरना तेरे कर्म के आधार है।

– राघव कुशवाहा
कक्षा – 8वीं अ

विज्ञानपहेली

जो उत्तर खोजे उसकी हैं
ये सहेली

Composed by
Dr. Suita Gupta
TGT Science

पहेली-1 **हेलन केलर को जब बुखार आई।** **आंखों से अपने फिर कुछ देख ना पाई।** **एक लिपि फिर ऐसी आई** **जिसने सिखाई उसे पढ़ाई और लिखाई** **लिपि का तुम नाम बताओ,** **खोजी किसने खोज के लाओ**	Puzzle -1 **When fever struck Helen Keller's sight,** **Her eyes beheld no guiding light** **Then came a script, so clear and bright,** **Teaching her to read and write** **Tell me, Tell me, what's this script's name, pray?** **Who found it on their searching way**
1. पहेली का सही उत्तर बताओ? (A) टेलीविजन, (B) कम्प्यूटर, (C) ब्रेल लिपि (D) सभी 2. इस लिपि को बनाने वाले का नाम बताओ? **(A)** गैलीलियो गैलिली **(B)** लुई ब्रेल (C) मेरी क्युरी (D) **निकोला टेस्ला** 3. हेलेन केलर किस प्रकार की दिव्यागंता से ग्रसित थी? (A) बधिर, (B) मूक, (C) दृष्टिहीनता, (D) सभी 4. सर्वप्रथम इस लिपि का निर्माण लगभग कब हुआ? (A) 1859 (B) 1824 (C) 1882 (D) 1830 5. खोज कर्ता का संबंध किस देश से है? (A) इग्लैंड (B) जापान (C) फ्रांस (D) जर्मनी	1. What is the correct answer to the puzzle? (A) Television, (B) Computer, (C) Braille (D) All 2. Name the person who made this script? 2 (a) Galileo Galilei (b) Louis Braille (c) Marie Curie (d) Nikola Tesla 3. What type of disability did Helen Keller suffer? (a) Deaf, (B) Mute, (C) Blindness, (D) All 4. When was this script first created? (a) 1859 (b) 1824 (c) 1882 (d) 1830 5. To which country does the inventor belong? (a) England (b) Japan (c) France (d) Germany

1.केस्कोग्राफ से क्या मापा जाता है? (A) पौधों की वृद्धि (B) पौधों मे भोजन की मात्रा (C) पौधों अवशोषित पानी की मात्रा (D)कुछ नही 2. रेडियो संचार का जनक किस भारतीय वैज्ञानिक को कहा जाता है? (A)सी. वी रमन (B)जे सी बोस ©आर्यभट्ट (D) कोई नही 3. खोज कर्ता ने किन तरंगो को शोधकार्य मे प्रयोग किया। (A)प्रकाश (B) रेडियो (C) पराबैंगनी (D) कोई नही 4. खोज कर्ता को किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया (A)नोबेल (B) आस्कर (C) भारत रत्न (D) कोई नही 5. खोज कर्ता का संबंध किस देश से है? (A) इग्लैंड (B) यूनान (C) फ्रांस (D) भारत	1. What is measured by a kescograph? (A) Growth of plants (b) Quantity of food in plants (C) Amount of water absorbed by plants (D) Nil 2. Which Indian scientist is known as the father of radio communication? (A) C. V. Raman (b) J. C. Bose ©Aryabhata (D) None 3. Which waves did the discoverer use in research? (A) Light (B) Radio (C) Ultraviolet (D) None 4. What prize was awarded to the discoverer? (A) Nobel (B) Oscar (C) Bharat Ratna (D) None 5. To which country does the inventor belong? (a) England (b) Greece (c) France (d) India

प्रश्न	1	2	3	4	5
उत्तर	B	A	A	B	A

	1	2	3	4	5
उत्तर	C	B	D	B	C

पहेली-2

केस्कोग्राफ बनाकर किसने,
पौधों की प्रतिक्रिया पहचानी।
बिना तार के संदेशों को ,
दूर भेजने की थी ठानी।
खोजों उनका नाम बताओ,
ढूंढो उनका धाम बताओ ।

Puzzle -2

Who created the keskograph, tell me,
Identifying plants' reactions, you see.
Without wires, their messages were to fly.
Sending them far was their aim high.
Search for their name let it be known,
Find their dwelling, let truth be shown.

ज्ञान की दुनिया

विद्यालय की दुनिया में,

हम सीखते हैं, हम बढ़ते हैं।

शिक्षकों की मार्गदर्शन में ,

हमारे सपने आकार लेते हैं।

पुस्तकों की दुनिया में,

हम ज्ञान की खोज करते हैं।

मित्रों के साथ हंसते हैं,

और जीवन के सबक सिखते हैं।

विद्यालय की दीवारें,

हमें सुरक्षा और समर्थन देती हैं।

यहाँ हम अपने लक्ष्यों को,

निर्धारित करते हैं और प्राप्त करते हैं।

विद्यालय जीवन का महत्व,

हमें जीवन के लिए तैयार करता है।

यहां हम सीखते हैं,

और अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ते हैं।

(श्लोक)

धरती त्वं पृथ्वी माता सर्वभूतानां धारिणी

त्वमेव सर्वस्व जगत: पालनकर्ती स्थिति: |

वसुंधरा त्वं धरा माता

जगद्धिताय कृतोद्योगा

सर्वभूतहितैषिणी

मातरं त्वां नमाम्यहम् |

पृथ्वी पूजनम्

SANDHYA PRAJAPATI

FROM CLASS 7TH B

शिक्षा का सफर

कुछ होती कुछ होती है हल्की कुछ होती है
भारी होती है इसमे आज कल की जानकारी
गणित वो इलाका है जहाँ से कोई वापस नहीं आता
है चला तो जाता है पर वहीं फँस जाता है
इतिहास की तारीखे हम घूरते रह जाते हैं परीक्षा
निकल जाती है हम याद नहीं कर पाते हैं
हिंदी और संस्कृत विषय बड़े क्रूर है क्या करे हम
याद करने को मजबूर हैं
अंग्रेजी का क्या फायदा जिन्दगी में हमें बात तो
करनी है हिंदी में
बहुत बड़ा है विज्ञान का क्षेत्रफल इसलिए इस
विषय में कुछ ही हो पाते हैं सफल
लेकिन 14 साल हमें यहीं पढ़कर गुजारने हैं और
हम अपनी जिंदगी के सपने भी संवारने हैं
इसलिए पढ़ो लिखो और बनो हर शैली में बेहतर
और करो जिंदगी मे कुछ दुनिया से बढ़कर

Name - Sansu Kumari
Class -8- C

The space between us

We're all online but feel so far,

Chasing dreams, but missin' the stars.

Messages sent but they don't hit the same,

We talk all the time, but who's to blame?

We're in a world that's all about speed,

Scrollin' through life, don't stop to breathe.

We hit "like" but don't really see,

The quiet moments where we're meant to be.

We're connected, but don't make the call,

We post our lives but miss it all.

Maybe the silence says more than words,

Maybe we're too busy to notice the hurt.

We reach out, but never really hold,

The space between us is getting old.

But hey, it's okay, we'll figure it out,u

Life's a journey—no need to shout

The silent noise

We're plugged in, but still feel alone,

Scrolling through life on a glowing phone.

In a world that never seems to pause,

We're lost in the noise, with no real cause.

Chasing likes, yet missing the sound

Of silence, where true peace is found.

Maybe we need to log out, breathe,

And remember the calm that we can't conceive

Shiv Sonkar
Class :-12th

😂Jokes😂

Q1. Why Sunday is stronger than Monday?

Ans- Because Monday is a Weak day.

Q2. Why maths book is sad?

Ans- Because it has so many problems.

Q3. Are the Earth and Moon good friends?

Ans Yes, they've been going around together for years.

Q4. Can a horse join the army?

Ans No, the Neigh-vy.

Sneha Tupparwar
Class 6th C

THOUGHT

Nature is a precious treasure in itself, every leaf, every flower, and every river has a story hidden in it.

Name- Harsh Kumar Meena
Class – 8th 'C'

The Importance of Staying Active and Healthy

Staying active and healthy is really important, especially for students. When you exercise and take care of your body, it helps you feel better, do well in school, and enjoy life more. Let's see why it's good to stay active and how it can help you.

Makes Your Body Stronger:

When you move your body and do exercises like running, biking, or playing sports, your muscles and bones get stronger. It also keeps your heart healthy and helps you stay at a healthy weight. Being active can help you avoid getting sick and make you feel good overall.

Helps You Feel Happy:

Exercise doesn't just help your body—it helps your mind too! When you play sports or do any physical activity, your brain releases happy chemicals that make you feel good. It can also reduce stress or worries. So, if you feel tired or stressed out, a little exercise can help you feel better and more relaxed.

Improves Focus and Learning:

Being active can also help you focus better in class. When you move around, your brain gets more oxygen, which helps you think clearly. If you're ever feeling sleepy or distracted while studying, taking a short break to walk around or stretch can help you feel fresh and ready to learn.

How to Stay Active:

You don't need to do anything complicated to stay active. You can play games, ride your bike, dance, or even just walk around the neighbourhood.Try to be active for at least 30 minutes each day, whether you're playing with friends or doing some exercises at home.

Conclusion:

Staying active and healthy is fun and important. It helps keep your body strong, makes you feel happy, and helps you focus better in school. So, find activities you enjoy and make them part of your daily routine. Your body and mind will thank you!

NAME : ATMIK JAIN
CLASS : 6TH - D

बारिश की मस्ती

सबसे सुहावना मौसम है बारिश,
गर्मी से आराम दिलाती है बारिश ।
खेतों में अनाज उपजाती हैं बारिश,
जीवों की प्यास बुझाती है बारिश ।
पौधों को हरा-भरा करती है बारिश,
जीवन में खुशियाँ लाती है बारिश ।
त्यौहारों का मौसम सजाती है बारिश,
कभी हँसाती, कभी रुलाती है बारिश ।
नदियों - तालाबों को पानी से भरती है बारिश,
तालाबों में नाव चलाना भी सिखाती है बारिश ।
पानी में छप - छप कराती है बारिश,
कभी-कभी स्कूलों की छुट्टी भी कराती है बारिश।

कौस्तुभ विश्वकर्मा
कक्षा छठवीं ' स '

YOU ONLY LIVE ONCE

You only live once
So why not cherish it.
Spoil yourself a bit,
Those moments will never come,
'Cause you only live once.
So enjoy it,
Laugh more,
Sing a song,
'Cause you only live once

Srija Barman
Class 6th/C

सावित्री बाई फुले

श्रीमती सावित्री बाई फूले एक ऐसी महिला जिन्होंने हमें यह सिखाया कि अगर आप कोई नेक कर्म की शुरुआत छोटे स्तर से करते हैं तब भी वह बड़ा बदलाव लाने की क्षमता रखता है ||

सावित्रीबाई फुले के नेक कर्मों का वर्णन संस्कृत में:
सावित्रीबाई फुले महात्मा आसीत्। सा स्त्री शिक्षायाः प्रसारं कृतवती।
अर्थ: सावित्रीबाई फुले एक महान आत्मा थीं। उन्होंने महिला शिक्षा के प्रसार के लिए काम किया।
सावित्रीबाई फुले के कुछ प्रमुख नेक कर्म:
दलितानां शिक्षायाः प्रसारं कृतवती।
बाल विवाह के विरोध में अभियान कृतवती।
महिला सशक्तिकरण के लिए काम कृतवती।
अनाथालयं स्थापयित्वा अनाथानां सेवां कृतवती।
अर्थ: सावित्रीबाई फुले ने दलितों की शिक्षा के प्रसार के लिए काम किया, बाल विवाह के विरोध में अभियान चलाया, महिला सशक्तिकरण के लिए काम किया और अनाथालय स्थापित कर अनाथों की सेवा की ||

शिक्षा सर्वे स्वतंत्रता - education is key to freedom

नारियों को दिलाया आत्म सम्मान का एहसास है

इतिहास में सावित्रीबाई फुले का योगदान खास है

नाम - वंश उपाध्याय
कक्षा - आठवीं अ

तत् त्वं पूषणम् अपावृणु यह विद्यालय का गान है।

हर क्षेत्र में नंबर वन रहना हमारे विद्यालय की पहचान है

राष्ट्रीय युवा संसद हो या राष्ट्रीय स्तर पर गाना हो

खेलकूद की बात हो या विपदा में साथ निभाना हो

बच्चों को यहां बगिया के फूलों सा सीचा जाता है

हर साल सफलता की नयी तस्वीरों को खिंचा जाता है

शिक्षकों का हाथ सर पर हो तो कदम कहां पर हिलते हैं

देखो हर क्षेत्र में बच्चों को कितने अफसर मिलते हैं

वन महोत्सव में मिलकर पेड़ भी हम लगाते हैं

स्वच्छता अभियान में झाड़ू लेकर सड़क पर उतर जाते हैं

केंद्रीय विद्यालय का छात्र होना सौभाग्य की यह बात है

शुक्रिया इस ईश्वर का जो दी ऐसी सौगात है

आइए इन 2000 हाथों को फिर एक मौका देते हैं

विद्यालय को नंबर वन बनाए रखने की शपथ आज हम लेते हैं

नाम - वंश उपाध्याय

कक्षा - 8 th A

School Days

In the hallways where laughter flows,

Where every day, a new story grows.

Lessons learned, both big and small,

In these walls, we've seen it all.

Friends who stand through thick and thin,

In every game, a chance to win.

Teachers guide with wisdom bright,

Turning our questions into light.

Memories made, forever stay,

In our hearts, they'll never sway.

Oh, school life, a treasure so true,

A chapter we'll cherish as we pursue.

Aman Kumar
Class – 9B

What is Science ??

Science is very amazing . Learning Science is full of enjoyment . It is the way of thinking , observing and doing things to understand the world we live in and to uncover the secrets of the universe .What is Science , isn't a big question , the whole universe is science. Science is everywhere- wheather it is a tiny grain of sand or the vast galaxy . It is like a huge,big unending jigsaw puzzle , every new discovery we make adds another piece to that puzzle. Science is an amazing blessing to human beings, it makes our daily life easier and comfortable. Our planet has seen numerous transformations thanks to the marvels of science. Science has produced electricity, which powers our cities, industries, and homes. Science keeps pushing the envelope of what is known, discovering new lands and solving the universe's riddles. We are close to deciphering the nature of consciousness, discovering the human genome's mysteries, and utilizing artificial intelligence. Human development is fueled by science, which also holds the key to solving many of the world's problems, including poverty, sickness, and climate change. Science is a beautiful gift to humanity. We can not think of our life without technology. Today everything we do is because of science. Lately, science has helped us to deal with the worldwide coronavirus pandemic by establishing vaccines and testing kits. The fabric we wear, the brush and paste we use, the shampoo, the oil we apply, everything is the consequence of the advancement of science. Life is unimaginable without all this, as it has become a necessity.

श्लोक व सूक्ति

- दशकूपसमा वापी दशवापीसमो ह्रदः।
  दशह्रदसमः पुत्रो दशपुत्रोसमो द्रुमः॥
- तुलसी कानने चैव गृहे यस्यावतिष्ठते।
  तद्गृहं तिर्थमित्याहुः नायान्ति यमकिङ्कराः।।

तुलसीगन्धमादाय यत्र गच्छति मारुतः।
दिशो दश पुनात्याशु भूतग्रामां१चतुर्विधान्।।

- पीतो मरीचिचूर्णेन तुलसीपत्रजो रसः।
  द्रोणपुष्परसोप्येवं निहन्ति विषमं ज्वरम्।।

संस्कृतस्य साहित्य

- संस्कृतम् भारतीयोपमहाद्वीपस्य एका भाषा अस्ति । संस्कृतं इन्डो-आर्यभाषा अस्ति या इन्डो-यूरोपीयभाषापरिवारस्य शाखा अस्ति ।अस्मात् हिन्दी, बङ्गला, मराठी, सिन्धी, पञ्जाबी, नेपाली इत्यादयः आधुनिकभारतीयभाषाणां उत्पत्तिः अभवत् । एतेषु सर्वेषु भाषासु यूरोपीयपरिव्राजकानां रोमानीभाषा अपि अन्तर्भवति । वैदिकधर्मसम्बद्धानि प्रायः सर्वाणि शास्त्राणि संस्कृतेन एव लिखितानि सन्ति ।बौद्धधर्मस्य (विशेषतः महायानस्य) जैनधर्मस्य च अनेके महत्त्वपूर्णाः ग्रन्थाः अपि संस्कृते लिखिताः सन्ति । अद्यत्वेऽपि हिन्दुधर्मस्य अधिकांशः यज्ञः, पूजाः च संस्कृते एव क्रियन्ते ।संस्कृते प्रायः अनेकाः प्राचीनाः इण्डो-आर्य-प्रजातयः संयोजिताः सन्ति । एतेषु प्राचीनतमं वैदिकसंस्कृतं ऋग्वेदे प्राप्यते, यत् ९ शताब्द्याः अनन्तरं अफगानिस्तानात् पूर्वदिशि प्रवासं कृतवन्तः भारत-आर्य-जनजातयः अद्यत्वे उत्तर-अफगानिस्तान-उत्तर-भारत-देशं प्रति प्रवासं कृतवन्तः १०२८ स्तोत्रसङ्ग्रहाः सन्तिवैदिकसंस्कृतं उपमहाद्वीपस्य प्राचीनप्राचीनभाषाभिः सह अन्तरक्रियां कृत्वा नूतनानि वनस्पतिजन्तुनामानि अवशोषयति स्म।देश-काल-विविधता-दृष्ट्या संस्कृत-साहित्यम् अतीव विशालम् अस्ति । अस्य मुख्यतया द्विधा विभक्तम् अस्ति - वैदिकसाहित्यं शास्त्रीयसाहित्यं च । अद्यत्वे त्रिचतुःसहस्रवर्षपूर्वं लिखितं वैदिकसाहित्यं उपलभ्यते । संस्कृतं भारतस्य संविधानस्य अष्टम-अनुसूचौ अपि अन्तर्भूतम् अस्ति । उत्तराखण्डस्य हिमाचलप्रदेशस्य च राजभाषा अस्ति ।विश्वस्य प्राचीनतमस्य पुस्तकस्य (वेदस्य) भाषा संस्कृतम् अस्ति । अतः जगतः प्रथमभाषा इति मन्यमानस्य संशयस्य सम्भावना नास्ति ।अस्य स्पष्टव्याकरणस्य, वर्णमालायाः वैज्ञानिकत्वस्य च कारणात् महत्त्वपूर्णसाहित्यसमृद्धत्वात् तस्य महत्त्वमपि निर्विवादम् अस्ति ।ईश्वरस्य भाषा इति मन्यते । संस्कृतं न केवलं स्वविकसितभाषा अपितु संस्कृतभाषा अपि अस्ति, अतः तस्याः नाम संस्कृतम् अस्ति । संस्कृतमेव भाषा यस्याः भाषिणां

नामकरणं न कृतम्। संस्कृतभाषा विश्वस्य सर्वाधिकं 'सिद्धा' तार्किकभाषा च अस्ति ।संस्कृतमेव माध्यमं यत् क्रमशः अङ्गुली जिह्वा च लचीलं करोति। तस्य अध्ययनं कुर्वन्तः छात्राः गणितं, विज्ञानम् इत्यादीनां भाषाणां प्राप्तौ सहायतां प्राप्नुवन्ति ।संस्कृतं बहूनां भारतीयभाषाणां जननी अस्ति । तेषां अधिकांशः शब्दावली संस्कृततः गृहीता वा संस्कृतेन प्रभाविता वा । सम्पूर्णे भारते संस्कृतस्य अध्ययनं शिक्षणं च भारतीयभाषासु अधिका एकरूपतां आनयिष्यति येन भारतीयैकता सुदृढा भविष्यति।संस्कृत साहित्य अत्यन्त प्रगत साहित्य है (उसमें सदा आगे बढ़ने और नयी उंचाइयाँ छूने की प्रवृत्ति है।)सम्पूर्णे विश्वे संस्कृतग्रन्थानां सम्मानः आसीत् अनेके संस्कृतग्रन्थाः अरबी, फारसी, तिब्बती, चीनी इत्यादिषु अनुवादिताः।संस्कृतसाहित्यं प्रायः अधर्मात्मकं (अथवा लौकिकं) स्वरूपं वर्तते।संस्कृतसाहित्यस्य विविधता आश्चर्यजनकम् अस्ति।

- संस्कृतसाहित्यस्य किञ्चित् महत् उदाहरणं पश्यामः
- धर्मग्रन्थ
- भगवद्गीत
- सामान्य एवं धार्मिक नियम
- मनुस्मृति
- राजनीति
- अर्थशास्त्र
- महाकाव्य
- रामायणम् (7 काण्ड) – महर्षि वाल्मीकि
- महाभारत (18 पर्व) – वेद व्यास

काव्य शास्त्र

- नाट्यशास्त्र (36 अध्याय) – आचार्य भरत

नाट्य शास्त्र

- मुद्रारक्षसम् (7 अङ्क) - विशखदत्त
-

गीतिकाव्य

- मेघदूतम् – कालिदास

कथासाहित्य

- पञ्चतन्त्र – विष्णुशर्मा

व्याकरणग्रन्थ

- अष्टाध्यायी – पाणिनि
-

Name - Pracheeta Mohanty

Class - 9th B

व्यंग्य कविता

गांधीवादी नेता

एक नेता ने मंच पर स्वयं को सार्वजनिक रूप से गांधीवादी घोषित कर दिया,
मैं घबराया कि इस नेता ने मेरे इतिहास के अध्ययन को एक क्षण में बेकार कर दिया।
नेता से मैने पूछा आप किस दृष्टि से स्वयं को गांधीवादी मानते हैं,
हमने गांधी दर्शन पढ़ा है , गांधी के सिद्धांतों को
जानते हैं। नेता ने झल्लाते हुए कहा तुम जैसे लोग ही तर्क वितर्क करते हैं , और गांधीवाद को लाने में हमारी मुश्किल खड़ी करते हैं। मैं गांधी की राह पर चलता हूं, जब घर से टहलने निकलता हूं तो गांधी रोड से ही चलता हूं।
गांधी ने अपने जीवन में सत्य को थामा था, मैने भी अपने जीवन में सत्य को थामा है।
मेरे जीवन का सत्य मंत्री बने रहना है,
सरकार किसी भी दल की हो , मैं मंत्री ही बनता हूं ,
जिस दल की सरकार बनती है मैं उसी दल में मिल जाता हूं।
अहिंसा को मैं भी गहराई से अपनाता हूं, आतंकवाद को दूर करने में अमेरिका से गिड़गिड़ाता हूं।
विरोधी पार्टी वाले मेरे खिलाफ झूठे सबूत बताते हैं ,
संसद से लेकर सोशल मीडिया तक झूठे बयान दिखाते हैं।
मैं गांधीवादी हूं - बुरा मत देखो , बुरा मत सुनो के सिद्धान्त पर चलता हूं ,
विरोधी चिल्लाते ही रह जाते हैं , और मैं अदालत से बाइज्जत बरी हो जाता हूं।
क्या तुम्हें अब भी मेरे गांधीवादी होने पर शक या शुमार है,
मैने कहा गांधीवादी होना तो अब आपका जन्मसिद्ध अधिकार है।

बृजेश कुमार विश्वकर्मा
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक
(हिन्दी)

"स्वामी विवेकानंद और नारी का सम्मान "

स्वामी जी प्रतिभाओं से सारी दुनियां हैरान थी ।
देशी और विदेशी जनता कोई ना उनसे अनजान थी ।
नारी तो हर रूप में उनके लिए भगवान थी,
बहन माँ हो या बेटी उनके लिये समान थी ।

एक बार कहीं से इक महिला आवेदन लाई,
प्रेम भाव से उनके सम्मुख अपना प्रणय निवेदन लाई ।

बोली मान्यवर मुझ पर यह उपकार करो,
पुत्र चाहिए तुमसा तेजस्वी प्रणय मेरा स्वीकार करो ।

स्वामी ने भद्रा की विनती का यू समाधान किया,
स्वयं पुत्र बने महिला को माता का सम्मान दिया ।

ऐसे स्वामी सन्यासी का सारी दुनिया गुणगान करे,
जो नारी के हर एक रूप का नित्य सदा ही मान करे ।

मेरा विद्यालय

सुनो श्याम, यह अपना विद्या का मंदिर है - पी. एम. श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 जी सी एफ जबलपुर। यही सोच रहे होगे कि पी. एम. श्री क्या है? श्याम ,यह पहले नहीं था। हमारे विद्यालय को प्रधानमंत्री स्कूल ऑफ राइज़िंग इंडिया का दर्जा मिला। प्राचार्य हमारे लिए प्रधान पुरोहित के समान हैं, वे बहुत ईमानदार हैं और हम सबके लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। वे बहुत अच्छे और निराले हैं। हमारे विद्यालय के शिक्षको की बात ही कुछ और है। सब अलग अलग चीज़ो में एक से बढ़कर एक हैं। कोई खेल में कोई गणित में ओर कोई तो कला में। यहां के बच्चे भी इतने कलाकार हैं कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग ले तो स्थान न पाएं ऐसा होता ही नहीं, चाहे वह नृत्य हो, गान हो, खेल हो या विज्ञान। तो ऐसा है मेरा विद्यालय।

हेमान्या सिंह, 5 अ

जीवन के उस मोड़ पर

अपनी ज़िन्दगी में हम सदा यह कहते रह जाते हैं,
कि जीवन के उस मोड़ पर हम बहुत कुछ करना चाहते हैं।
एक बहुत ही सुन्दर स्वप्न लिए मन में,
कुछ करने की चाह से आगे बढ़ जाते हैं।
बहुत कुछ पाना है जीवन में,
यह सोचते-सोचते मंजिल ढूंढते रह जाते हैं।
जीवन के उस मोड़ पर हम बहुत कुछ करना चाहते हैं।
मंजिल तक पहुँचने का सफ़र कुछ यूँ कई बातें सिखा जाता है,
कि हाँ, एक रत के बाद जरूर सवेरा आता है।
मन में आस लिए न जाने कौनसी जीत हासिल करना चाहते हैं,
कि जीवन के उस मोड़ पर हम बहुत कुछ करना चाहते हैं।

- अनन्या दुबे , कक्षा-8 अ

वास्तविकता की खोज: एक आंतरिक यात्रा....

वास्तविकता क्या है? यह एक ऐसा प्रश्न है जो हमें अपने जीवन के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करता है। लेकिन क्या हम वास्तव में जानते हैं कि वास्तविकता क्या है? या हम केवल अपने अनुभवों और धारणाओं के आधार पर इसका अनुमान लगाते हैं?

मैं सोचती हूँ कि वास्तविकता की खोज एक आंतरिक यात्रा है। यह एक यात्रा है जो हमें अपने आप को समझने के लिए प्रेरित करती है, अपने विचारों, भावनाओं, और अनुभवों को समझने के लिए। यह एक यात्रा है जो हमें अपने जीवन के उद्देश्य और अर्थ को समझने के लिए प्रेरित करती है।

लेकिन यह यात्रा आसान नहीं है। यह एक यात्रा है जो हमें अपने डरों, अपने संदेहों, और अपने अनिश्चितताओं का सामना करने के लिए प्रेरित करती है। यह एक यात्रा है जो हमें अपने आप को पूरी तरह से स्वीकार करने के लिए प्रेरित करती है अपनी ताकतों और कमजोरियों के साथ।

लेकिन यह यात्रा मेरे,आपके और हम सबके लिए बहुत जरुरी है। जब हम अपने आप को पूरी तरह से स्वीकार करते हैं, तो हम अपने जीवन को अधिक अर्थपूर्ण, अधिक संतोषजनक, और अधिक आनंदमय बना सकते हैं। जब हम अपने डरों, अपने संदेहों, और अपनी कमजोरियो का सामना करते हैं, तो हम अपने जीवन को अधिक साहसिक, अधिक रोमांचक, और अधिक पूर्ण बना सकते हैं।

तो आइए, वास्तविकता की खोज में जुटें और अपने जीवन को एक नए दृष्टिकोण से देखें। आइए, अपने आप को पूरी तरह से स्वीकार करें और खुद को अधिक सक्षम,अटल और अधिक आनंदमय बना सके।

क्योंकी यही जीवन का सत्य है और हमे इसे अपनाना होगा।

महक माथुर, कक्षा- 8 अ

सोलर क्रांति से रोशन होगा भारत

बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को देखते हुए पूरा विश्व सोलर एनर्जी की ओर बढ़ रहा है। हमारे देश में हरित क्रांति के बाद सोलर क्रांति ही भारत का भविष्य है। ये हम इसलिए कह सकते हैं क्योंकि सोलर को लेकर देश भर में कई बड़ी योजनाओं को सरकार लेकर आ चुकी है। अभी डीजल और पेट्रोल के उपयोग पर रोक तो नहीं लगी है पर सोलर एनर्जी के आने से बड़ा बदलाव सड़कों पर दिख रहा है। सोलर पैनल घरों से लेकर सरकारी कार्यालयों की छतों पर दिखना शुरु हो चुके हैं। सरकार की योजना बड़ी योजनाओं में रेलवे स्टेशनों से लेकर सोलर पार्क बनाने की है। आने वाले समय में देश भर की खाली भूमि पर सोलर लगाने से लेकर नदियों और तालाबों के बड़े हिस्से में भी इसकी उपयोगिता को बढ़ाया जाना है। अभी देश की राजधानी में वायु प्रदूषण का स्तर सभी के सामने है स्कूलों को भी एक्यूआई बढ़े होने के कारण बंद किया गया है। पूरे देश में वायु की गुणवत्ता पर शोध हो रहे हैं। इन भयावह स्थिति से

निपटने के लिए सोलर कार, सोलर वाहन और ऐसे ही अन्य विकल्पों पर जाना ही होगा। तभी हम बेहतर भारत का निर्माण कर सकेंगे।

जयति तिवारी
क्लास 9 सी

नर्मदा का महत्व

नर्मदा को हम नहीं कह सकते मात्र एक सरिता
वह है पुण्यदायिनीपरोपकारिणी माता, शिव दुहिता।।

नर्मदा मात्र नदी नहीं है, वह जगत को उतारने वाली संसार का उद्धार करने वाली मां है।इसलिए हम उसे नर्मदा मैया कहते हैं।नर्मदा को शिवपुत्री माना गया है।कहते हैं वह शिव के पसीने से उत्पन्न हुई हैं।हम नर्मदा की एक देवी की तरह पूजा करते हैं।वह हमारे लिए देवी है देवी है में बिंदी आएगी वह हमारे लिए देवी हैं।नर्मदा के जल से लाखों एकड़ ज़मीन की सिंचाई होती है।

नर्मदा का उद्गम एवं सहायक नदियां-

नर्मदा अनूपपुर जिले के अमरकंटक नामक स्थान से निकलती है।और मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरातसे बहते हुएखम्मात की खाड़ी में जाकर मिलती है।नर्मदा एक पवित्र पूजनीय एवं अत्यंत उपयोगी नदी है।तवा,बारना,कनार,कोलार मान,हथिनी,उरी, शक्कर,शेरऔरदुधीइसकी सहायक नदियां है।नर्मदा विश्व की एकमात्र ऐसी नदी है जिसकी परिक्रमा की जाती है ।

नर्मदा पवित्र और उपयोगीनदी- नर्मदा को हमारे देश में अत्यंत पवित्र और पूजनीय नदी माना जाता है । नर्मदा के किनारे पवित्र त्यौहार पर जगह-जगह मेले लगते हैं । लोग नर्मदा का पूजन करते हैं और उन्हें चुनरिया चढ़कर अपनी श्रद्धा प्रकट करते हैं ।

अन्य नदियों में लोग स्नान करने से करते हैं परंतु नर्मदा के दर्शन मात्र से लोग तर जाते हैं । उनके दर्शन मात्र से सारे पापों का अंत हो जाता है । नर्मदा अपने क्षेत्र को उजागर बनाकर करोड़ लोगों का पालन करती है । नर्मदा दर्शन को जाते समय लोग, नर्मदा के भजन सामूहिक रूप से गाते हैं ।

नर्मदा जी के सम्मान में कुछपंक्तियां–

नर्मदा कृपा बनाए रखना।
अपने भक्तों का उद्धार करना।।
मां नर्मदा विश्व में एकमात्र ऐसी नदी है,
जिसकी की जाती है परिक्रमा।
वह पुण्यदायिनीजगत तारिणीभवभधारिणी,
सत्कर्मों की देती है प्रेरणा।
"जय मां नर्मदा"

- **खुशबू केटले**
- **कक्षा- 9 ब**

बारिश का एक दिन

जब काले बादल छा जाते है,
तब बारिश वे ले आते हैं।
कर देते हमारी धरती को हरी-भरी,
जैसे कि हमारी धरती हो सुन्दरी।
जब बिजलियाँ चमकती है,
तब बारिश वे ले आते हैं।
हम बच्चे मस्ती करने जाते हैं,
पानी में कागज़ का नाव तैराते हैं।
जब बादल गरजते हैं,
तब बारिश वे ले आते हैं।
खुशी से झूमने लगते है मोर,
तब हम बच्चे करने लगते है शोर I

आकांक्षा पाण्डेय कक्षा
छठवीं द

भारत भूमि हमें है प्यारी,

हम इसके रखवाले हैं।
इसकी खातिर अपना सारा,
जीवन दाव लगाए है।।
इस भूमि पर जन्म लिया है
गौतम, गांधी, नानक, ने।
इस भूमि की सेवा की है
शास्त्री और जवाहर ने।।
इस भूमि के खातिर मर मिट गए,
वीर शिवाजी उर राणा।
इसके लिए सदा पहना है।
हमने केसरिया बाना।।
जो भी इस पर आंख उठाये
कभी ना वो बच पायेगा
भारत का हर बच्चा-बच्चा,
उसको मार गिरायेगा।।
मातृ भूमि की खातिर हम सब,
प्राण निछावर कर देंगे।
अंतिम दम तक भारत मां को
आंच नहीं आने देंगे।।

- सार्थक केटले
(पाचवी 'अ')

The Friendship I Lost !

We used to be the best friends
We used to share everything
We used to laugh, cry and sing together
We used to be each other's wings.

But then something changed between us,
We started to drift apart ,
We started to fight and fuss a lot,
We started to break each other's heart.
Now we are no longer friends,
Now we are like strangers
Now we avoid and ignore each other,
Now when we fall,
we don't hold each other.

But I still miss you my dear friend
I still remember you in my thoughts.
I still hope that we can mend,
I still cherish moments that are in my heart
.

Name - Rishik pal
Class - 7C

Finding Her Voice

Meera always stayed in the shadows of her classmates. She loved writing essays and coming up with creative ideas during group projects, but speaking in front of others? That was a nightmare she'd rather avoid.

When the inter-school debate competition was announced, Meera didn't even think of participating. She admired how confident her classmates were—students like Riya, who always had the perfect answers, or Arjun, who could speak without breaking a sweat. They're much better than me, she thought.

One afternoon, Mrs. Kapoor, her English teacher, stopped her after the class. "Meera, I've read your essays, and you have a way of expressing ideas beautifully. Have you thought about joining the debate competition?"
Meera's face turned pale. "Me, ma'am? But I can't compete with students like Riya or Arjun. I'm just... not good enough," she stammered.

Mrs. Kapoor smiled gently. "Being good enough isn't about comparing yourself to others. It's about giving your best and having the courage to try. Will you give it a shot?"

Hesitantly, Meera nodded, though she was still filled with doubt.

For the next two weeks, Meera practiced endlessly. She'd stand in front of her mirror, pretending it was the audience, but every time she imagined speaking in front of actual people, her confidence crumbled. Her classmates, she was sure, would laugh if she stumbled.

The night before the competition, she nearly quit. "What if I mess up? What if everyone thinks I'm terrible?" she asked her mom.

Her mom cupped her face. "Everyone starts somewhere, Meera. Even the best speakers were nervous once. Believe in yourself, just this once."

The day of the competition arrived. As Meera stood backstage, her heart pounded like a drum. The other contestants seemed so confident, chatting and laughing as though they had already won. What am I doing here? she thought.

When her name was called, her legs felt like jelly as she walked onto the stage. She clutched her cue cards tightly, her hands trembling. She could see her classmates in the audience, including Riya and Arjun, who had always been the stars of such events.

Meera opened her mouth, but no words came out. A ripple of whispers spread through the hall. Her cheeks burned, and she thought of running away.

But then, her eyes caught Mrs. Kapoor's in the crowd. She was smiling and mouthing, You can do it. Taking a deep breath, Meera pushed through the fear. She focused on her topic—The Importance of Mental Health for Students.

As she spoke, her voice grew steadier. She shared her own struggles, admitting how hard it was to speak up and how mental health often goes ignored. To her surprise, the audience was silent, listening intently. By the time she finished, applause erupted, louder than she'd ever imagined.

Meera didn't win first place, but she didn't care. For the first time, she realized she didn't need to be the best or the loudest. She just needed to be herself and try.

That day, Meera walked back to her seat with something far more valuable than a trophy—her confidence.

Anandi Gupta , IX-D

LET THE DOGS BARK, YOU KEEP ON WALKING

We all might have seen dogs barking at us for the reason that is unknown to us but may be known to dogs. We face disturbance, sometimes complain and finally we make the barking dogs run away.

Barking and dogs, in this instance are materialistic depiction of entity and its action. If we examine these from a moral and philosophical perspective, we find it as a symbol of "Weakness", mentally, physically and socially.

Let's try to re-define the barking: When good deeds are going on well, negative energy in surrounding feels inferior and naturally takes metamorphic form of obstacles, leg pullers, demotivators, screamers and schemers to disturb the constructive energy. This is what we call "barking".

In general, we think of dogs as barkers, but it could also be a cat, monkey, bird, polluted thought or your human counterpart who is the most underestimated but potent barker.

There may be many know or unknown reasons/stimuli but the feeling of "inferiority" is the root cause that produces barking dogs. One who barks never thinks, sees, listens or observes; it just barks and barks and barks. Although; barkers are of low energy, invest that too in proving others wrong.

One satisfactory thought in barkers' mind is "ज़िंदगी में तो कुछ कर सके नहीं, तो चलो कम से कम भोंक ही लेते हैं, जलते मन को कुछ तो शांति मिलेगी।

Barkers are never ready to accept challenges, but put others to the test by uttering foul-smelling unstructured sentences and unparliamentary words.

Barking is an indication that your gravity matters to them which they are unable to digest and due to pain, they start barking.

As the saying goes, it's important to avoid committing mistakes in life but it is even more important to stay safe from the dangers caused by

the mistakes of others.

So it's very important to learn about how to stay safe from barking and barkers. In nature, Elephants are the most tolerant one to barkers and barking thus is the symbol of great gravity. It doesn't matter how many and how strongly dogs bark and challenge the elephant, it never gives its ear as it knows about its own gravity, impact and worth. In the same way, people with weak personality and low standards, always try to put worthless challenges to disturb your balance and consume your energy like predators and vampires.

Don't be disturbed by barking or barkers because if you are disturbed; their purpose is achieved. You must not respond to barking, because it's the best way to show them their

dishonesty, lust and anger are constantly barking to push you into a living hell.

Our inner conscience is well designed to shield barking; we just need to train is so that none of the outer disturbances can even touch our inner balance, steadfastness and purity.

Be an Elephant by nature and inner conscience; let the dogs bark, but neglect them and keep walking.

By
Vinod Kumar Mishra
PGT-Biology

'Edu-tainment': Fun and engaging lessons beyond classroom.

"Tell me and I forget, teach me and I may remember, involve me and I learn."

- Benjamin Franklin.

Learning is a preparation for life and hence cannot be confined to the four walls of our classroom. Every subject that a student learns at school, he/she actually learns 'life skills'. So , it becomes important that it is 'fun' for both- the students and the facilitator. Involvement forms the basis for this 'fun'/ entertainment component in learning.

Through this article of mine, I would like to share some experiences, how I tried to make my mathematics classes joyful and involoving for students. Mathematics is present everywhere. It is not a subject that acts in isolation, rather it is an integration of all the other disciplines including co-curricular ones like sports, art, music , etc. As even the national education policy (NEP 2020) highlights the importance of integrating arts and sports in classroom teaching, here are some instances that show how learning Mathematics can be made fun when integrated with games and sports.

a. Jumping game:

While teaching mathematics in Grade 3, this game was included where students learn skip counting by fives and tens.

b. See-saw:

To introduce the concept of heavy and light (measurement of weight), this swing proved to be a great source of joy for kids, where they could tell which side of the see-saw would go up or down in a particular situation.

c. Multiplication tables:

Utilizing the stairs for students to learn multiplication tables was another idea that made revision of multiplication tables more of a game than a pressure for students. Here students jump to learn multiples as repeated addition.

Abhitesh Jangir
(Primary Teacher)

Class X Toppers

S.N.	ROLL NO.	GENDER	NAME	MARKS OBTAINED	%	PHOTO
1	19162990	M	GAURANK KUMAR	488	97.6	
2	19163059	F	ANSHIKA MISHRA	483	96.6	
3	19163061	M	AVIRAL JAIN	482	96.4	
4	19163086	F	URVASHI BHARADWAJ	478	95.6	
5	19162988	F	AREESHA	477	95.4	

Subject wise Vidyalaya and Regional Topper Class X

Subject	Max Obt Marks	Name of student from school	
ENGLISH LANG & LIT. [184]	97	URVASHI BHARADWAJ [19163086]	Regional Topper
HINDI COURSE-A [002]	97	ANSHIKA MISHRA [19163059] AGRIMA AGRAWAL [19162984]	
SANSKRIT [122]	99	URVASHI BHARADWAJ [19163086]	
MATHEMATICS STANDARD [041]	99	ANSHIKA MISHRA [19163059] NAITIK KUMAR GUPTA [19162996] JITANSHU [19163035]	
SCIENCE [086]	98	GAURANK KUMAR [19162990]	
SOCIAL SCIENCE [087]	99	GAURANK KUMAR [19162990]	
ARTIFICIAL INTELLIGENCE [417]	100	GAURANK KUMAR [19162990] RUDRANSH PAROHA [19163005]	BOTH ARE REGIONAL TOPPER
MATHEMATICS BASIC [241]	98	AREESHA [19162988]	

Class XII Toppers

S.N.	ROLL NO.	GENDER	NAME	MARKS OBTAINED	%	STREAM	PHOTO
1	19646026	F	HRISHIKA KORI	477	95.4	SCIENCE	
2	19646088	F	SHUBHI SHUKLA	477	95.4	HUMANITIES	
3	19646025	F	GURKIRAT KAUR TALUJA	472	94.4	SCIENCE	
4	19646061	F	AAKRITI SAHU	471	94.2	HUMANITIES	
5	19646070	F	DISHA RAJAK	471	94.2	HUMANITIES	

Subject wise Vidyalaya and Regional Topper Class XII

Subject	Max Obt Marks	Name of student from school	
ENGLISH CORE [301]	97	AKHIL MISHRA [19646010] SHIVLEE PANDEY [19646087]	
HINDI CORE [302]	97	AKHIL MISHRA [19646010]	
MATHEMATICS [041]	95	HRISHIKA KORI [19646026] NIKHIL RAJ [19646014] GURKIRAT KAUR TALUJA [19646025]	
PHYSICS [042]	95	HRISHIKA KORI [19646026]	
CHEMISTRY [043]	100	GURKIRAT KAUR TALUJA [19646025]	Regional Topper
BIOLOGY [044]	95	MAYANK KUMAR [19646051]	
ACCOUNTANCY [055]	95	SANSKAR VERMA [19646129]	
BUSINESSSTUDIES [054]	92	PALAK VERMA [19646105]	
ECONOMICS [030]	92	VEDANT NAGARIYA [19646132]	
HISTORY [027]	98	SANSKRITI TIWARI [19646086]	
GEOGRAPHY [029]	98	SHUBHI SHUKLA [19646088]	
COMPUTR SCIENCE [083]	97	HRISHIKA KORI [19646026]	
INFO. PRAC. [065]	93	GAURI MITTAL [19646071]	
POLITICAL SCI. [028]	98	AAKRITI SAHU [19646061]	
YOGA [841]	97	ARPITA SINGH [19646033]	

TOPPERS OF VIDYALAYA AWARDED BY RETIRED KVS EMPLOYEES

Celebrating Yoga Day on 21, June 2024

In Regional Sports Meet
53 students participated
13 Students selected for National
Under 17(Girls) basketball
NANCY VARATHE
D.O.B- 27-03-2008
D.O.P- 22-06-2024
PRAGATI PIPLODIYA
RIYA KUMARI
Under 17(Boy) shooting
ABHINAV GUPTA
Under 19 (Boy) shooting
PRIYANSH HANDA

Regional Sports Meet
Students selected for National
Under 17(Boys) Cricket
LAKSHY NAMDEO
DOB - 26-4-2009
DOP - 23-6-2024
VINAY KUMAR YADAV
MOHAMMED AAQUIB KHAN
ADARSH RAJ SINGH
Under 14(Girls) Rope Skipping
ZARAH KHAN
DOB-28-02-2011 -22-06-2024
Reetika Dhote

REGIONAL SPORTS MEET 2024

विद्यालय अलंकरण समारोह

Vidyalaya Investiture Ceremony

विद्या प्रवेश (कक्षा -१)

14 अगस्त विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

Celebrating Independence Day

Celebrating Independence Day

Career counselling by Vidyalaya Alumni

NCC ACTIVITIES

(Awareness Rally and Plantation)

एक पेड़ माँ के नाम

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय जीसीएफ में पौधारोपण

एक पेड़ मां के नाम अभियान

प्रदेश टुडे संवाददाता, जबलपुर

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय जीसीएफ-1 जबलपुर ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान बड़े उत्साह के साथ मनाया। रितु उपाध्याय और श्वेता मीना की अध्यक्षता में इको क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना और माताओं का सम्मान करना था। अभियान के हिस्से के रूप में 40 से अधिक माताओं और बच्चों को पौधे भेंट किए गए, जो प्रकृति और पारिवारिक बंधन दोनों के पोषण की प्रतिबद्धता का प्रतीक थे। इस पहल को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, प्रतिभागियों ने अपना आभार और खुशी व्यक्त की। इस कार्यक्रम में न केवल पेड़ लगाने के महत्व पर जोर दिया गया, बल्कि टिकाऊ पर्यावरण को बढ़ावा देने में माताओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रिंसिपल, श्री सिंघई ने कहा कि यह अभियान सभी माताओं का सम्मान है, उनकी पोषण भावना को पहचानना और हर किसी को हरित भविष्य में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना है। कुल मिलाकर, एक पेड़ माँ के नाम अभियान एक जबरदस्त सफलता थी, जिसने माताओं और छात्रों के बीच सामुदायिक भावना और पर्यावरण प्रबंधन को बढ़ावा दिया।

Scout & Guide Activities

Chaturth Charan Camp :-

- Total 24 Cubs-8 bulbul

Scout & Guide Activities

Rajya Purashkar Camp :-

- 6 Guide - Venue KV OF Katni
- 8 Scout - Venue KV Damoh

Mentoring Students for Career Counselling & Subject Assistance

CELEBRATING NATIONAL SPACE DAY
Dated : 22/08/2024

नवनियुक्त प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (सा.विज्ञान)हेतु अधिष्ठापन कार्यक्रम
Induction Course for Newley Recruited TGT (So. Science)
Dated : 10.05.2024 to 14.05.2024 (offline) & 2 day online

One Day Orientation of Principals
for
Implementation of Rupantar program
Date : 12.07.2024

One Day Capacity Building Workshop
for
The Principals of PM SHRI KVs
Date : 13.07.2024

Content Enrichment workshop for PGT (Economics)

Date/दिनांक : 02/08/2024 to 03/08/20

Fire safety and Security Training for students

हिन्दी पखवाड़ा

CELEBRATION OF TEACHERS DAY

Vigyan Jyoti program

बालदिवस

Parent Teacher Meeting

शैक्षणिक भ्रमण

NCC कैंप

CCA Competition

हिंदी पखवाड़ा

Celebrating Gandhi Jyanti & Swachhta Pakhwada

ओपन राज्य स्तरीय बैण्ड प्रतियोगिता 2024-2

राष्ट्रीय एकता दिवस

सतर्कता सप्ताह

वार्षिक शैक्षणिक निरिक्षण 2024 -25

पुस्तक मेला शुभारम्भ
दिनांक 12.09.2024

केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 जी.सी.एफ., जबलपुर
KENDRIYA VIDYALAYA No. 1 G.C.F., JABALPUR
स्थापना दिवस
FOUNDATION DAY
15 दिसंबर
M SHRI KENDRIYA
NO.1 G.C.F .,JAB

M SHRI KENDRIYA VIDYALA
NO.1 G.C.F .,JABALPUR

विद्यालय
बलपुर
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 जी.सी.एफ., जबलपुर
KENDRIYA VIDYALAYA No. 1 G.C.F., JABALPUR
स्थापना दिवस
FOUNDATION DAY
15 दिसंबर
M SHRI

Art
gallery

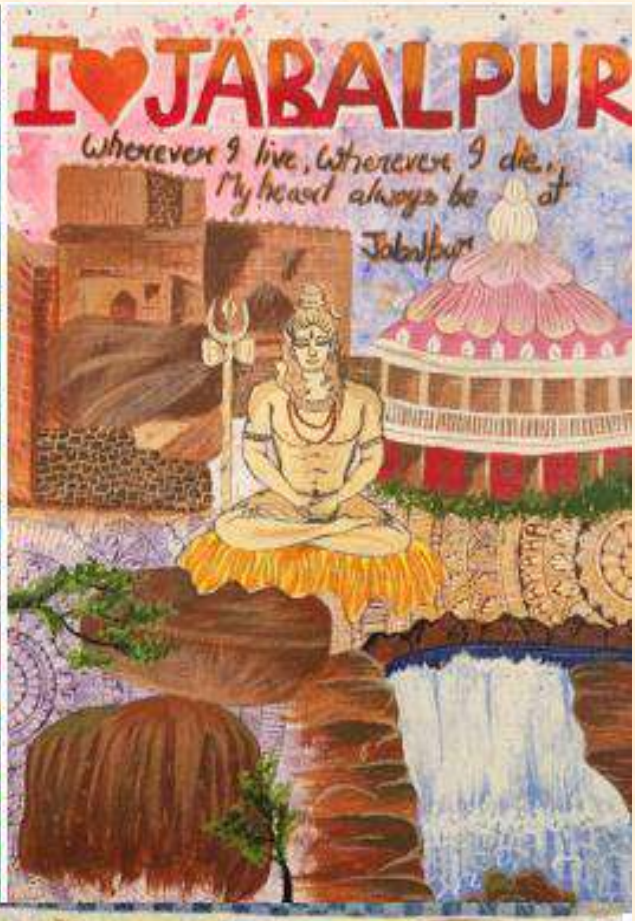

I ♥ JABALPUR
Wherever I live, Wherever I die, My heart always be at Jabalpur

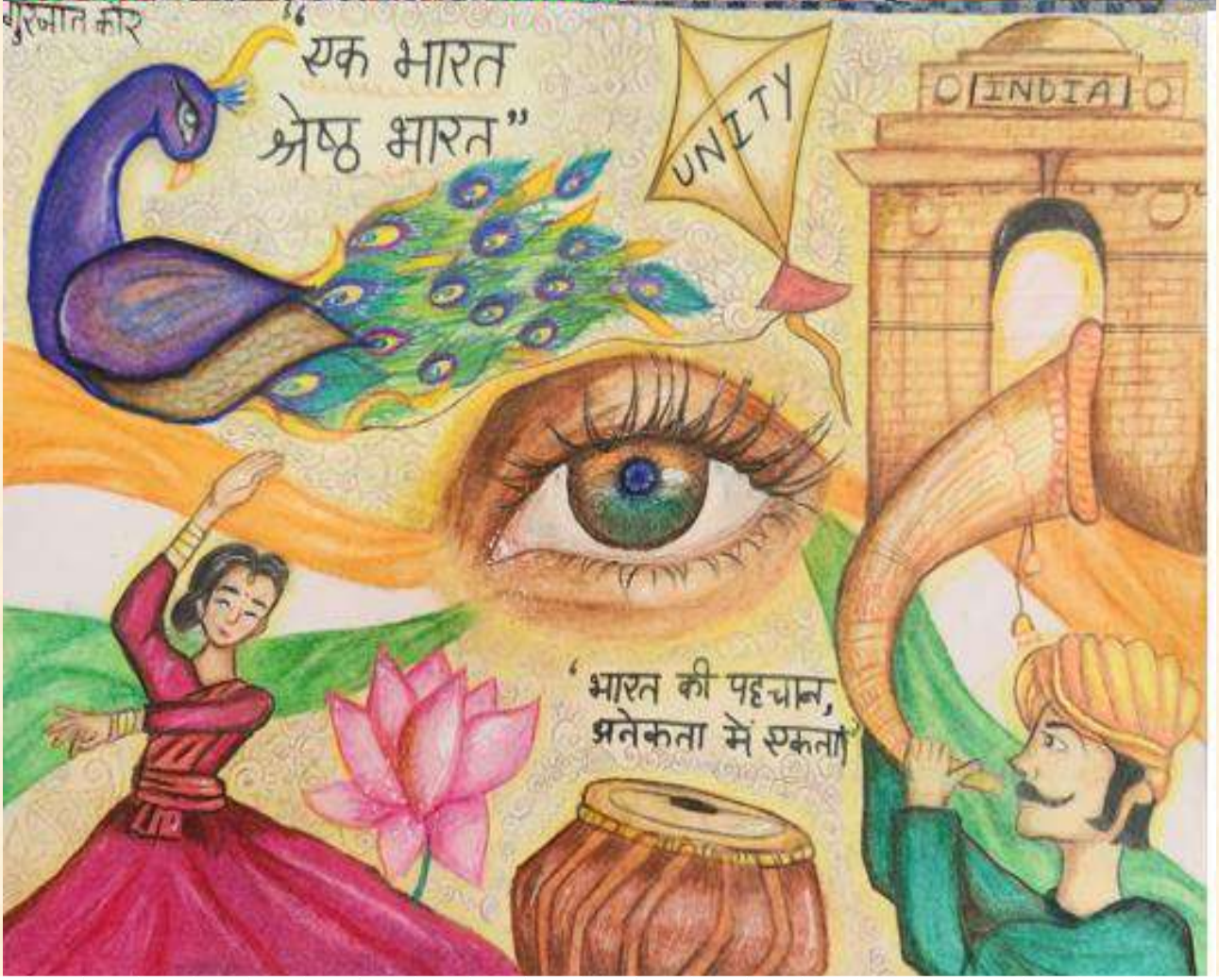

"एक भारत श्रेष्ठ भारत"
UNITY
INDIA
'भारत की पहचान, अनेकता में एकता'

EK
BHARAT
SHRESHTHA
BHARAT
हमारी साँझी
विरासत अनेकता
में एकता

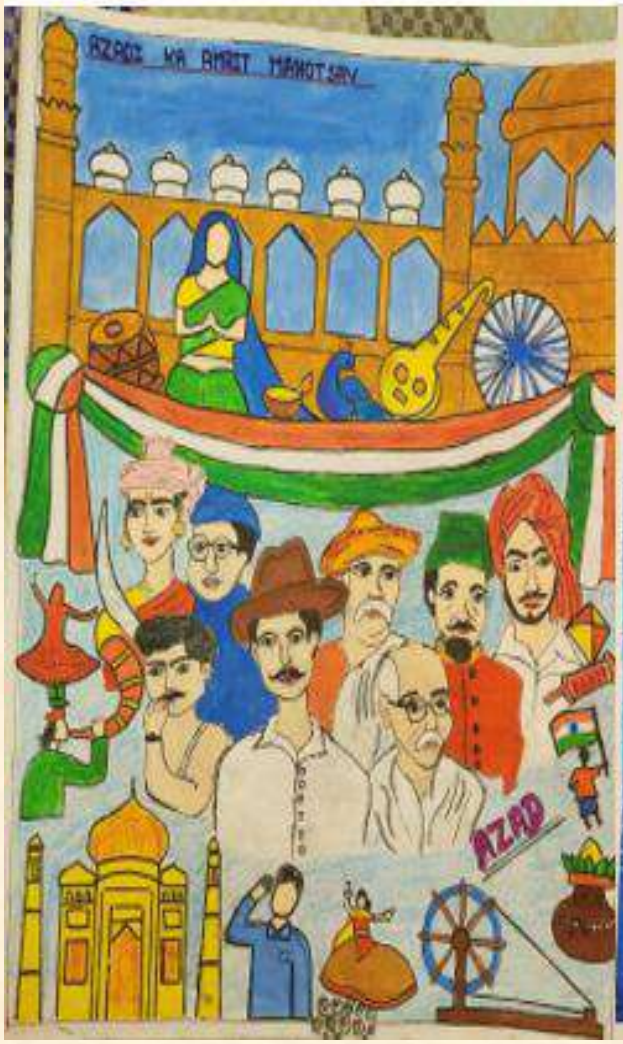

AZADI KA AMRIT MAHOTSAV
AZAD

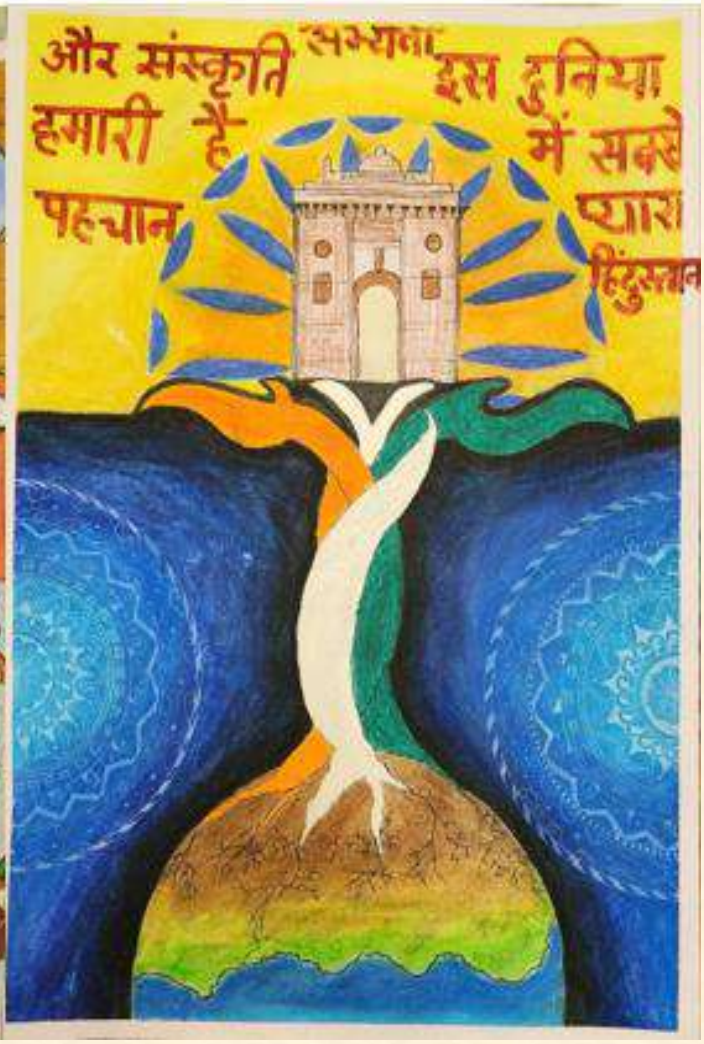

और संस्कृति हमारी है पहचान
सभ्यता इस दुनिया में सबसे प्यारा हिंदुस्तान

"स्वच्छ भारत
स्वस्थ भारत"

STOP CYBER CRIME
STOP BULLYING
YOU WORTHLESS
THERE'S NO REASON TO
HIDE BEHIND THE MASK

DOCTOR Strange

SWARA CHAHARE

SWARA CHAHAR

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA NO. 1 GCF JABALPUR

SESSION 2024-2025

Shivneri studio.. 9424724512

Family of Vidyalaya